



प्रलिमिस फैक्ट्स : 08 जून, 2021

- [ऑपरेशन ब्लू स्टार की 37वीं वर्षगाँठ](#)

ऑपरेशन ब्लू स्टार की 37वीं वर्षगाँठ

37th Anniversary of Operation Blue Star

हाल ही में देश द्वारा ऑपरेशन ब्लू स्टार की 37वीं वर्षगाँठ मनाई गई।

प्रमुख बातें

ऑपरेशन ब्लू स्टार:

- यह 5 जून, 1984 को अमृतसर में [स्वरण मंदरि](#) के अंदर छपि अलगाववादियों को बाहर नकिलने के लिये भारतीय सैन्य अभियान को दिया गया एक कोड नाम है।
- ऑपरेशन का आदेश तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदरिंगांधी ने मुख्य रूप से अमृतसर में हरमंदरि साहबि परसिर (जिसे स्वरण मंदरि के रूप में जाना जाता है) पर नियंत्रण करने के लिये दिया था।
- सख्त चरमपंथी धार्मकि नेता, जरनैल सहि भडिरावाले (Jarnail Singh Bhindranwale) और उनके सशस्त्र अनुयायियों को इस परसिर में बाहर नकिलने के लिये भारतीय सेना ने मंदरि परसिर में प्रवेश किया।
- ऑपरेशन के दो घटक थे:
 - ऑपरेशन मेटल (Operation Metal) जो कमिंदरि परसिर पर आक्रमण था।
 - ऑपरेशन शॉप (Operation Shop) जो राज्य के ग्रामीण इलाकों तक ही सीमति था।
- इस ऑपरेशन ने खालिस्तानी आतंकवाद को खत्म करने में मदद की।
 - इसके परणामसवरूप भडिरावाले की मृत्यु हो गई।
 - ऑपरेशन ब्लू स्टार के कुछ महीनों बाद इंदरिंगांधी की उनके सख्त अंगरक्षकों द्वारा हत्या कर दी गई थी, जिसके बाद दलिली में गंभीर सख्त वरिष्ठी दंगे हुए थे।

पृष्ठभूमि:

- जरनैल सहि भडिरावाले चाहते थे कि भारत सरकार आनंदपुर प्रस्ताव पारति करे और इस तरह सखियों के लिये एक अलग खालिस्तान राज्य के गठन के लिये सहमत हो।
- वर्ष 1982 के बाद से सख्त धर्म के इस कट्टरपंथी नेता ने अपने कार्य के लिये पर्याप्त समर्थन हासलि करने में कामयाबी हासलि की और वर्ष 1983 के मध्य तक गोला-बारूद तथा अपने अनुयायियों के साथ स्वरण मंदरि परसिर के अंदर एक आधार स्थापित कर लिया था।
- इसलिये भडिरावाले और उनकी मांगों से छुटकारा पाने के उद्देश्य से 1 जून और 6 जून, 1984 के बीच ऑपरेशन ब्लू स्टार शुरू किया गया था।

राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (NSG)

- यह एक आतंकवाद-रोधी इकाई है जो औपचारकि रूप से वर्ष 1986 में संसद के एक अधिनियम '[राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड](#) अधिनियम, 1986' द्वारा अस्तित्व में आई।
 - इसका मुख्यालय मानेसर, गुरुग्राम में स्थिति है।
- आतंककि अशांतिके खलिफ राज्यों की रक्षा के लिये आतंकवादी गतिविधियों का मुकाबला करने को ऑपरेशन ब्लू स्टार, अक्षरधाम मंदरि हमले और पूर्व प्रधानमंत्री इंदरिंगांधी की हत्या के बाद इस तरह के बल को बनाने का विचार आया।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/prelims-facts-08-june-2021>